under the Requisitioning and Acquisition of Immovable Property Act 1952, "on-account" payments may be made by the Collector only to those owners who are of small means. When requests for such payments are received, the Collector generally calls for a report from the Mamaltdars to verify that the applicants are really of small means. It is understood that with a view to expediting the proceedings, in many cases the applicants themselves are now obtaining the certificates of small means from the Mamaltdars and filing them with their applications for "on-account" payments.

शिक्षा और रोजगार

१५७१. **श्री प्रकाश वीर शास्त्री** : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार देश के शिक्षित नवयुवकों में नौकरी की बजाय व्यापार, कृषि, और सामाजिक कार्यों के व्यवसाय अपनाने की प्रवृत्ति पैदा करने के लिये कोई कार्यवाही कर रही है अथवा करने वाली है, और

(ख) विश्वविद्यालयों से स्नातक की उपाधि प्राप्त कर निकलने वाले कितने प्रतिशत नवयुवक आजकल रोजगार प्राप्त कर लेते हैं ?

शिक्षा मंत्री (डा० कालूलाल श्रीमाली) : (क) विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है। [देखिये परिशिष्ट ४, अनुबन्ध संख्या २५]

(ख) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी। पर हो सकता है कि पूरी सूचना न मिल सके क्योंकि न तो गैर-सरकारी क्षेत्र के रोजगार के आंकड़े रखे जाते हैं और न विश्वविद्यालयों के उन स्नातकों के जो स्वतंत्र व्यापार, कृषि या इसी प्रकार के अन्य धंधों में लग जाते हैं।

सिक्खों का इतिहास

१५७२. **श्री प्रकाश वीर शास्त्री** : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि सिक्खों का इतिहास लिखने के लिये क्या सरकार ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय को कोई अनुदान दिया है ?

शिक्षा मंत्री (डा० कालूलाल श्रीमाली) : जी, नहीं। परन्तु अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय ने 'योजना' के मुख्य सम्पादक श्री खुशवंतसिंह की एक योजना स्वीकार की है जिसके अनुसार वे प्रारम्भ से स्वतंत्रता प्राप्ति तक का सिक्खों का इतिहास उस विश्वविद्यालय के तत्वावधान में लिखेंगे। इस योजना के लिये राक-फेलर फाउंडेशन ने विश्वविद्यालय को एक लाख रुपये का अनुदान मंजूर किया है।

संस्कृत शिक्षा

१५७३. **श्री प्रकाश वीर शास्त्री** : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या संस्कृत की शिक्षा के प्रसार के लिये प्रति वर्ष कोई अनुदान दिया जाता है; और

(ख) यदि हां, तो गत पांच वर्षों में प्रत्येक संस्था को कितनी-कितनी राशि का अनुदान दिया गया ?

शिक्षा मंत्री (डा० कालूलाल श्रीमाली) : (क) जी, हां।

(ख) पिछले पांच सालों में अर्थात् १९५३-५४ से १९५७-५८ तक, प्रत्येक